## अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2020) दिनांक : 21.12.2020

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

## तेरापंथ इतिहास और दर्शन–70

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 13

(क) स्वामी कार्तिकेय के अनुसार पुण्य का बन्ध किससे होता है?

(ख) रजोहरण के उपयोग का आधार क्या है?

(ग) 'हम जीते जी शासन पर आँच नहीं आने देंगे' जयाचार्य के नाम वारंट जारी होने पर यह संकल्प किस-किसने किया?

(घ) 'दीक्षा कल्याणक' समारोह कब व कहां मनाया गया?

(ङ) 'तेरापंथ विकास परिषद' के गठन का मुख्य लक्ष्य क्या था?

(च) 'संघ-पुरुष' के शरीर में गति का प्रतीक किसे माना गया है?

(छ) 'भाव निक्षेप' का अर्थ क्या है?

(ज) 'आगम सम्पादन' का कार्य प्रारंभ हुआ उसके प्रथम वर्ष में कौन सा कार्य सम्पादित हुआ?

(झ) प्लेटो के अनुसार न्याय की परिभाषा क्या है?

(ञ) 'अल्पाधिकरण्य' का अर्थ क्या है?

(ट) व्यवहारनय का दृष्टिकोण क्या है?

(ठ) आचार्य भिक्षु द्वारा मर्यादा निर्माण का उद्देश्य क्या था?

(ड) संक्षेप में निवृत्ति का सिद्धान्त क्या है?

(ढ) 'भगवती सूत्र' के अनुसार देवगति बन्ध के कितने व कौन-कौन से कारण हैं?

(ण) तेरापंथ के इतिहास की सुरक्षा का बीज किसने बोया और उसे लिपिबद्ध करने का श्रेय किसे जाता है?

प्र. 2 किन्हीं छह प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 15

(क) भगवान महावीर ने व्यवस्था के नियमों को अनिवार्य बताते हुए क्या कहा?

(ख) प्रार्थना समाज के संस्थापक कौन थे और इसके मुख्य उद्देश्य क्या थे?

(ग) भगवान महावीर के अनुसार पुरुष के चार प्रकार कौन-कौन से हैं और किस पुरुष की आराधना सिद्ध होती है?

(घ) आचार्य तुलसी के जीवन काल में कौन-कौन से समारोह का आयोजन हुआ? किन्हीं पांच के नाम लिखें।

(ङ) पुण्य के विषय में अनुचिन्तनीय तथ्य कौन-कौन से हैं? लिखें।

(च) स्थानांग सूत्र के अनुसार आचार्य की कसौटियां कितनी व कौन-कौन सी हैं?

(छ) किसी ने आचार्य भिक्षु से कहा–'आप हमें साधु भी नहीं मानते और श्रावक भी नहीं मानते।' तब आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) जीत व्यवहार को स्पष्ट करते हुए किन्हीं तीन उदाहरणों का उल्लेख करें।

(ख) सामूहिक मनोबल के लक्षण कौन-कौन से हैं? लिखें।

(ग) आचार्य भिक्षु के अनुसार धर्म का स्वरूप क्या है?

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) तेरापंथ की तीसरी सदी के कुछ नए आयामों का उल्लेख करें।

(ख) पांच महाव्रत अपने आप में मर्यादा है फिर भी आचार्य भिक्षु ने मर्यादाओं का निर्माण किया इसका आधार और उद्देश्य क्या है विस्तार पूर्वक लिखें।

(ग) तेरापंथ की कला-साधना का उल्लेख करें।

## भिक्षु वाणी–30

प्र. 5 किन्हीं तीन पद्यों का सप्रसंग भावार्थ करें– 15

(क) सूइ नाकें.....न वेसे।।

(ख) तिम कुगुरु.....अंध अ देख।।

(ग) मित्री सूं.....नहीं आवें।।

(घ) रूंख जिम.....रें कान।।

(ङ) बांध्यो.....कुबद सीखावे।।

प्र. 6 किन्हीं दो विषयों पर पद्य लिखें– 6

(क) संसार

(ख) व्रत

(ग) विसंगति

(घ) असाधु

प्र. 7 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) सोर ठंडो.....पड़े जातो।।

(ख) जो थांरे.....म कूको।।

(ग) ज्यां लग.....होय जाय।।

(घ) काली नाग.....मरण वधारें।।

(ङ) ज्यूं अधर्म.....मांहे चाल्या।।